Social Issue In Rural Settlements.

Rural Poverty

निर्धनता एक सामाजिक घटना है जिसमें समाज के एक वर्ग को जीवन की आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति नहीं होती है। निर्धनता से अभिप्राय है जीवन, स्वास्थ्य तथा कार्यकुशलता के लिए न्यूनतम उपभोग - आवश्यकताओं की प्राप्ति की अयोग्यता। (Poverty is the inability to get the minimum Consumption requirement for life, health and efficiency)। इन-न्यूनतम आवश्यकताओं में भोजन, वस्त्र, मकान, शिक्षा तथा स्वास्थ्य संबंधी न्यूनतम मानवीय आवश्यकताएं शामिल होती है। इन-न्यूनतम आवश्यकताओं की पूर्ति न होने पर मनुष्य को कई प्रकार की हानि होती है।

गरीबी को अन्य समस्याओं की जननी कहा जाता है। इसीलिये भारत में आर्थिक नियोजन का हमेशा ही मुख्य उद्देश्य रहा कि देश में लोगों के निम्न स्तर को ऊँचा किया जाये तथा गरीबी को समाप्त कर दिया जाये।

इस समस्या को देखते हुए भारत के महान अर्थशास्त्री Bhabuath Datt का कहना है, "India requires a one Point Programme, a programme of removing poverty."

निर्धनता के कारण (Causes of Poverty)

1. जनसंख्या में तीव्र वृद्धि (Rapid Growth of Population).
2. अपर्याप्त रोजगार के अवसर (Inadequate Employment Opportunities)
3. विकास की निम्न दर (Inadequate Growth Rate)
4. बढ़ती हुई कीमतें (Rising Prices).
5. कृषि की अवहेलना (Neglect of Agriculture)

6. लघु तथा कुटीर उद्योगों की अवहेलना (Neglect of Small scale and cottage Industries).
7. आय का असमान वितरण (Unequal distribution of Income)
8. पूंजी का अभाव (Shortage of Capital)
9. भूमि सुधारों को लागू करने में असफलता (Failure to Implement Land Reforms)
10. प्राकृतिक साधनों का अपूर्ण प्रयोग (Under-Utilisation of National Resources)
11. निर्धनता दूर करने के लिए बने कार्यक्रमों की असफलता (Failure of Different Programmes designed to remove Poverty)
12. सामाजिक ढांचे का पिछड़ापन (Backward Social Structure).

निर्धनता दूर करने के लिये सुझाव (Some Suggestions to Remove Poverty).

1. विकास की दर में वृद्धि (Increase in the Rate of Growth.)
2. जनसंख्या की वृद्धि पर रोक (Check on Increase in Population)
3. कृषि विकास (Agricultural Development)
4. रोजगार में वृद्धि (Increase in Employment)
5. सामान्य उपभोग वाली वस्तुओं के उत्पादन में वृद्धि (Increase in the Production of Goods of mass consumption)
6. उत्पादन की तकनीक में परिवर्तन (Change in the Technique of Production.)
7. कीमत स्तर में स्थिरता (Stability in Price Level)
8. न्यूनतम आवश्यकताओं की सन्तुष्टि (Provision for Minimum Needs of the Poor)

9. आय का समान वितरण (Equal Distribution of Income)
10. क्षेत्रीय निर्धनता (Regional Poverty)
11. निर्धनों की उत्पादकता में वृद्धि (Increase in the Productivity of the Poor)
12. वितरण की समस्या (Problem of Distribution).

सरकार द्वारा निर्धनता को दूर करने के उपाय (Measures undertaken by the Government to Remowe Poverty or For Poverty Alliviation).

1. जनसंख्या वृद्धि पर रोक (Population Control)
2. रोजगार के अवसरों में वृद्धि करना (Creation of more Employment Opportunities).
3. उत्पादन में वृद्धि (Increase in Production)
4. कीमत वृद्धि पर नियंत्रण (check on Price Rise)
5. लघु तथा कुटीर उद्योगों पर अधिक बल (More Emphasis on Small Scale Cottage Industries)
6. पूंजी निर्माण की दर में वृद्धि करना (To step up Capital Formation)
7. आय तथा धन का समान वितरण (Equal Distribution of Income and Wealth)
8. विभिन्न कार्यक्रमों को प्रभावशाली ढंग से लागू करना (Proper Implementation of Various Programmes Designed to attack Poverty)
9. अनुकूल वातावरण (Suitable Atmosphere)

निर्धनता तथा पंचवर्षीय योजनाएं (Poverty and Five year Plans or steps taken by the Government to Remove Poverty)

1. रोजगार प्रदान करने वाले कार्यक्रम (Employment Generation Programme).

A. जवाहर रोजगार योजना (Jawahar Rozgar Yojna)
B. स्वयं रोजगार के लिए प्रशिक्षण (Training for Self-Employment)
C. लघु तथा कुटीर उद्योग (Small Scale and Cottage Industry)
D. नेहरू रोजगार योजना (Nehru Rozgar Yojana)
E. रोजगार बीमा योजना (Employment Assurance scheme)
F. प्रधानमंत्री रोजगार योजना (Prime Minister Rozgar yojana).
G. स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना (Swarn Jajanti Shahri Rozgar Yojana)
H. ग्राम समृद्धि योजना (Gram Samraddi Yojana)

2. उत्पादक परिसम्पत्ति जुटाने वाले कार्यक्रम (Programmes Related to Acquizition of Productive Assets).

A. समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम (Integrated Rural Development Programme)
B. विभेदीकृत ब्याज दर योजना (Differential Rate of interest scheme)
C. प्रधानमंत्री एकीकृत शहरी गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम (Prime Minister Integrated Poverty Eradication Programme)

3. मानव विकास कार्यक्रम (Human Development Programme)

A. न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम (Minimum Needs Programme)
B. बीस सूत्री आर्थिक कार्यक्रम (Twenty Points Economic Programme)

दसवीं पंचवर्षीय योजना में निर्धनता उन्मूलन कार्यक्रम (Poverty Alleviation Programme in Tenth Plan)

1. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना को सूक्ष्म वित्त कार्यक्रम (Micro Finance Programme) में परिवर्तित किया जाना चाहिये और बिना किसी आर्थिक सहायता दिए इनका संचालन बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थाओं — जाना चाहिये।

2. ग्राम सभाओं को फण्ड्स तभी दिये जाने चाहिये जब जनता का भी कुल खर्च में नकदी के रूप में या काम के रूप में 15 प्रतिशत सामान्य इलाकों में तथा 5 प्रतिशत जनजाति व निर्धन इलाक में योगदान प्राप्त हो।

3. संकटकालीन क्षेत्रों में एकमात्र मजदूरी रोजगार प्रोग्राम लागू किया जाना चाहिये। उत्पादक कार्यों के चलने तथा रख-रखाव पर अधिक ध्यान देना चाहिये जैसे- ग्रामीण सड़के, वाटरशेड विकास, तालाबों की सफाई व ठीक देखभाल, सिंचाई तथा नालियों की व्यवस्था। मजदूरी का भुगतान अधिकतर, कुछ नकदी के साथ तथा कुछ खाद्यान्न के रूप में होना चाहिये।

4. सफल ग्रामीण विकास योजनाएं, जो राज्य सरकारों द्वारा चलाई जाती हैं, उनके बजट संबंधी आवंटन में वृद्धि के लिए ग्रामीण विकास कोषों का प्रयोग किया जाना चाहिये।

5. स्त्री ग्रुपों को निर्धनता उन्मूलन स्कीमों को लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिये। विशेषकर आपदा प्रभावित क्षेत्रों में काम के बदले अनाज (Food for work Programme) स्कीम जारी करना।

6. सीमान्त तथा छोटे किसानों, वन उत्पाद को इकट्ठा करने वालों कारीगरों और अप्रशिक्षित श्रमिकों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के लिए विशेष प्रयत्न किए जाने चाहिए।

7. अति लघु तथा ग्रामीण उद्योगों के विकास के लिए विशेष प्रयत्न किए जाने चाहिये ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में गैर-कृषि रोजगार प्रदान किया जा सके।